देश के टॉप 10 में आईआईटी का नाम दर्ज कराना प्राथमिकता

अमर उजाला ब्यूरो

प्रो. पीके जैन।

वाराणसी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बीएचयू का नाम देश के टॉप 10 संस्थानों की सूची में दर्ज कराना प्राथमिकता होगी। शिक्षक, कर्मचारी और छात्रों के सहयोग से इसके लिए हर प्रयास किए जाएंगे। नवागत निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने सोमवार को निदेशक कार्यालय सभागार में प्रेसवार्ता में ये बातें कहीं। कहा कि सुविधाओं की कमी किसी भी काम में आड़े नहीं आने पाएगी।

निदेशक ने कहा कि संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए एक्शन प्लान बनाया जा रहा है, जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा। बताया कि देश के अलावा वैश्विक स्तर पर क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 100 में लाने का लक्ष्य है। सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों से प्रतिस्पर्धा में आईआईटी (बीएचयू) का अपना मुकाम बनाना है। कहा कि चार महत्वपूर्ण बातों पर जोर दिया जाएगा, जिसमें शैक्षणिक स्तर पर अपडेट होना, नवाचार, अनुसंधान-विकास आदि शामिल हैं। कहा कि संस्थान में जो भी मौजूद संसाधन हैं, उनके आधार पर ही आगे बढ़ा जाएगा।

संस्थान में अधिक से अधिक स्टार्ट अप लाना, पुरातन छात्रों के मदद से कैंपस सलेक्शन में मदद के अलावा संस्थान के विस्तार आदि को एक्शन प्लान में शामिल कर कार्रवाई की जाएगी। संस्थान में आवास आवंटन के सवाल पर उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों के लिए आवास उपलब्ध हो इसका पूरा प्रयास किया जाएगा। बीएचयू और आईआईटी के बीच जमीन को लेकर टकराव के सवाल के जवाब में निदेशक ने कहा कि कुलपति से बातचीत कर इसको लेकर जो भी विसंगतियां हैं दूर की जाएंगी। कोशिश होगी जमीन संबंधी विवाद को बातचीत के माध्यम सुलझाया जाएगा। कुलसचिव डा.एसपी माथुर ने बताया कि संसद ने 350 एकड़ पास किया है लेकिन इस समय केवल संस्थान की 290 एकड़ जमीन है।

अमर उजाला – 07.08.2018